गुड़गांव-मेवात बॉर्डर पर फतेहपुर गांव के पास बना हेरिटेज ट्रांसपोर्ट म्यूजियम

यहां जुटेंगे विंटेज कारों के दीवाने

> म्यूजियम के उद्घाटन के लिए सीएम आ रहे हैं। इससे संबंधित तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हेरिटेज ट्रांसपोर्ट देश का पहला ऐसा म्यूजियम है, जिसे ट्रस्ट ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर बनवाया है। हालांकि यहां आने के लिए डायरेक्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट नहीं है, लेकिन ट्रस्ट की डिमांड पर यह फैसिलिटी उपलब्ध कराई जा सकती है। - विनय सिंह यादव, डीसी, मेवात

7 दिसंबर को सीएम करेंगे म्यूजियम का उद्घाटन | **8 दिसंबर से आम पब्लिक कर सकेगी दीदार**

Photos : Kailash Gathwal

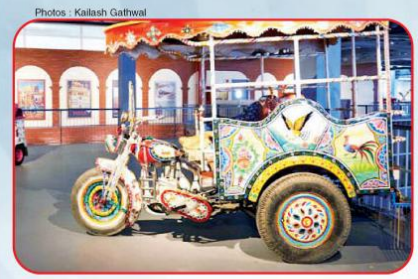

म्यूजियम में दिल्ली की फटफट सेवा, 1940 का हवाई जहाज, पुराने स्कूटर, बैलगाड़ियां व 1930 की रेल की बोगी समेत 2500 आइटम आएंगे नजर

प्रदीप नरूला ॥ गुड़गांव

बीकानेर रियासत की 163 साल पुरानी पालकी हो या सिंधु घाटी सभ्यता के क्ले मॉडल। गुड़गांव से महज 35 किमी का सफर आपको हिस्ट्री के इन एंटीक आइटम से रूबरू करा सकता है। इसके लिए गुड़गांव-मेवात बॉर्डर पर स्थित फतेहपुर गांव पहुंचना होगा, जहां एक हेरिटेज ट्रांसपोर्ट म्यूजियम बनकर तैयार है। 7 दिसंबर को हरियाणा के सीएम इसका उद्घाटन करेंगे। 8 दिसंबर से इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इसे बनाने पर 12 करोड़ की लागत आई है। इसमें से 6 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने और बाकी रकम ट्रस्ट ने लगाई है।

हेरिटेज ट्रांसपोर्टेशन ट्रस्ट के संस्थापक व प्रबंधक न्यासी तरुण ठकराल ने बताया कि उन्होंने 1994 से ट्रांसपोर्ट से संबंधित पुराने वाहनों को जुटाना शुरू किया था। इस म्यूजियम को बनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को पुराने वक्त के परिवहन साधनों की जानकारी देना है।

म्यूजियम में ढाई हजार आइटम्स

म्यूजियम में बीकानेर रियासत (राजस्थान) की 163 साल (1850) पुरानी पालकी, सिंधु घाटी सभ्यता की गाड़ियों के क्ले मॉडल, 1940 का हवाई जहाज, 1930 की रेल की बोगी, गुजरात का जुगाड़, 1948 की बस व पुराने मॉडल की कारें देखने को मिलेंगी। इसके अलावा पुराने जमाने की कारें, बैलगाड़ियां, मोटर वाहन, थ्री-वीलर, मोटर साइकिलें, तांगे, नाव, एयरक्राफ्ट, दीवार घड़ियां आदि भी मौजूद हैं। इस वक्त म्यूजियम में ऑटो क्षेत्र से जुड़े करीब ढाई हजार आइटम हैं, जिनमें 85 पर्सेंट सामान ऑरिजनल हैं।

12 करोड़ की आई लागत

यह म्यूजियम 3 एकड़ में बना है, जिसमें बेसमेंट सहित 4 फ्लोर बनाए गए हैं। इसके निर्माण पर करीब 12 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जिनमें 6 करोड़ रुपये भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने दिए हैं। वहीं, बाकी रकम ट्रस्ट ने दान आदि से जुटाई है।

ऐसे पहुंचें

हेरिटेज ट्रांसपोर्ट म्यूजियम बिलासपुर व तावडू के बीच गांव फतेहपुर के पास बनाया गया है। यहां पहुंचने के लिए गुड़गांव से जयपुर हाइवे पर बिलासपुर चौक से तावडू रोड होकर फतेहपुर पहुंच सकते हैं। इसके अलावा गुड़गांव से सोहना, तावडू, बिलासपुर रोड होते हुए डेस्टिनेशन तक जा सकते हैं।

300 रुपये है टिकट

जानकारी के मुताबिक, इस म्यूजियम की सैर करने के लिए 300 रुपये का टिकट लेना होगा, जबकि बच्चों के लिए 150 रुपये का चार्ज लगेगा। इसके अलावा फिजिकली चैलेंज्ड व 3 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है।

पब्लिक के लिए खुला ट्रांसपोर्ट म्यूजियम

बिलासपुर-तावडू मार्ग पर बने हेरिटेज ट्रांसपोर्ट म्यूजियम का सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया उद्घाटन

प्रस ॥ गुड़गांव

मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार बिलासपुर-तावडू मार्ग पर बने हेरिटेज ट्रांसपोर्ट म्यूजियम का लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में बने इस संग्रहालय में परिवहन साधनों के विकास के इतिहास को दर्शाने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने संग्रहालय में प्रदर्शित प्राचीन समय के दुर्लभ परिवहन साधनों को देखा, जिनमें लकड़ी के पहियों वाली बैलगाड़ी, ऊंटगाड़ी, बग्घी, साइकल, रिक्शा, पुराने स्कूटर, ट्राम का नमूना, रेलगाड़ी, हेलिकॉप्टर, एयर क्राफ्ट आदि के नमूने देखे।

उन्होंने कहा संग्रहालय में परिवहन के विभिन्न नमूनों को बहुत ही आकर्षक एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इससे विभिन्न शताब्दियों में यातायात के साधनों में आए बदलाव की उपयोगी जानकारी मिलती है। यह देश का ऐसा पहला संग्रहालय है, जो हरियाणा में स्थापित किया गया है। हरियाणा में झज्जर में हस्तलिखित पांडुलिपियों का एक अनोखा संग्रहालय भी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत बहुत पुरानी है। महाभारत के समय में हमारी सभ्यता और संस्कृति बहुत विकसित थी। हम पुरानी चीजों से सीखकर भविष्य में आगे बढ़ते रहे हैं। इस संग्रहालय के निर्माण में केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय आर्थिक सहयोग दिया है। हरियाणा सरकार से भी जो सहयोग मांगा गया है, वह मिला है और आगे भी मिलता रहेगा। इस अवसर पर परिवहन मंत्री आफताब अहमद, मीडिया सलाहकार शिव भाटिया, पूर्व डिप्टी स्पीकर आजाद मोहम्मद, डीसी मेवात विनय सिंह यादव, एसपी अनिल धवन आदि उपस्थित थे।

- **लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में बने इस संग्रहालय में परिवहन साधनों के विकास के इतिहास को दर्शाने की कोशिश की गई है**
- **लकड़ी के पहियों वाली बैलगाड़ी, ऊंटगाड़ी, बग्घी, साइकल, रिक्शा, पुराने स्कूटर, ट्रॉम का नमूना, रेलगाड़ी, हेलिकॉप्टर, एयर क्राफ्ट आदि के नमूने रखे गए हैं**